

22-8-22

पलावती जेका हुयी। तावे आवाठ तागावे ठावे। प्राणी एवं प्राणी एवं
प्रतिवर्षी अष्टुण्ठिणी आणे, पलावती अयस्य दठकी व अयस्य
जेवकी से वपस्त्रिठ वनी गाली हे। पलावती जे सातवुमाट होणार
काय सणमीता वस्वट म् काम वे।

उपखण्ड अधिकारी
करोली (राज०)

